सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

प्रेरणा

सफलता हाथों की लकीरों में नहीं माथे के पसीने में होती है।

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-5 • 01 MARCH TO 07 MARCH 2024 • VOLUME 32 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the Visa

•IELTS •STUDY ABROAD

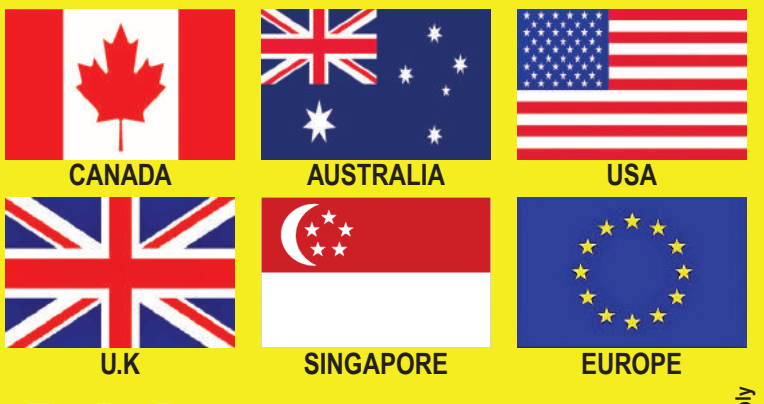

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

बादल परिवार ने निजी लाभों के लिए पंजाब के लोगों के करोड़ों लूटे : सीएम

निजी कारोबार को लाभ पहुँचाने के लिए हर नियम व नीति की धज्जियाँ उड़ाने के लगाए दोष

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

अपने निजी लाभों के लिए राज्य के करोड़ों रुपए लूटने वाले बादल परिवार की आलोचना करते हुये पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि अकाली-भाजपा गठजोड़ सरकार ने सुख विलास होटल के निर्माण के लिए अकाली नेता सुखबीर सिंह बादल के पक्ष में नियमों को तोड़ा-मरोड़ा। यहाँ पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि अकाली-भाजपा सरकार 2009 में इको-टूरिज़्म नीति लेकर लाई, जिसका एकमात्र उद्देश्य इस रिजोर्ट के निर्माण में मदद करना था। उन्होंने कहा कि यह कितनी आश्चर्यजनक बात है कि एक पोल्ट्री फार्म को एक रिजोर्ट में तबदील कर दिया गया और टैक्सों के रूप में इस रिज़ोर्ट के 108 करोड़ रुपए माफ करके राज्य के ख़जाने को नुकसान पहुंचाया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि गाँव पल्लनपुर में बने इस रिज़ोर्ट का असली नाम मेट्रो इको ग्रीन रिजोर्ट है, जिसको बाद में सुख विलास का नाम दिया गया। पंजाबियों के ख़ून से बना यह सुख विलास वास्तव में पंजाब के लिए दुख विलास है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्च 2009 में 7.20 एकड़ ज़मीन को पी. एल. पी. ए. एक्ट से छूट दी गई और इसके अंतर्गत सिर्फ़ दो कंपनियों को मंज़ूरी मिली। उन्होंने कहा कि बादलों ने अपनी दो कंपनियों के नाम पर 21 एकड़ ज़मीन ख़रीदी, जो बाद में अपनी ही एक अन्य कंपनी को तबदील कर दी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस

कंपनी के ज़्यादातर शेयरों 1 83, 225 का मालिक सुखबीर सिंह बादल है, जबकि हरसिमरत बादल और डब्बवाली ट्रांसपोर्ट कंपनी के नाम पर भी इस कंपनी में काफ़ी शेयर हैं।

मुख्यमंत्री ने अफ़सोस ज़ाहिर किया कि उस समय के मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने इस रिजोर्ट का 10 सालों के लिए एस. जी. एस. टी. और वेट का 75-75 प्रतिशत हिस्सा माफ कर दिया। उन्होंने कहा कि इसके अंतर्गत एस. जी. एस. टी. और वेट के कुल 85 करोड़ रुपए माफ किये गए। इसके इलावा 10 सालों के लिए 100 प्रतिशत इलैक्टरिसिटी ड्यूटी भी माफ की गई, जो 11.44 करोड़ रुपए बनती है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यही नहीं इस रिजोर्ट का 11 करोड़ रुपए का लग्जरी टैक्स और लायसेंस फीस भी माफ की गयी, जिससे राज्य के ख़जाने को बड़ा नुकसान पहुंचा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस रिज़ोर्ट के लिए टैक्सों के रूप में 108.73 करोड़ रुपए माफ किये गए और यह सारा पैसा बादलों के निजी हितों के लिए इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि इस पैसे का प्रयोग राज्य सरकार द्वारा लोगों की भलाई के लिए किया जा सकता था। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह भी दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि 2009 में लाई इस नीति का लाभ किसी अन्य कंपनी को नहीं दिया गया, बल्कि इसका प्रयोग बादलों ने सिर्फ़ अपनी निजी लाभ के लिए किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुख विलास को जाती सड़क का निर्माण भी गमाडा द्वारा करदाताओं के पैसे के साथ किया गया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस रिज़ोर्ट के लिए वन के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया गया, जबकि यह रिजोर्ट अपने एक कमरे का चार से पाँच लाख रुपये किराया वसूलता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस रिजोर्ट का 11 मई, 2015 से 10 मई, 2025 तक के समय का टैक्स माफ किया गया। उन्होंने आगे बताया कि इस रिजोर्ट की मालिक कंपनी में हरसिमरत कौर बादल के नाम पर 81, 500 शेयर और बादलों की ही मालिकी वाली डब्बवाली ट्रांसपोर्ट कंपनी के नाम पर 5350 शेयर हैं। भगवंत सिंह मान ने ऐलान किया कि राज्य के खजाने के एक-एक पैसे की वसूली की जायेगी और इस सम्बन्धी उचित कार्यवाही की जायेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसकी विस्तृत जांच चल रही है कि इस रिजोर्ट के निर्माण के लिए कौन से कानूनों का प्रयोग या कौन से कानूनों को तोड़ा-मरोड़ा गया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि करदाताओं के एक-एक पैसे की रिकवरी की जायेगी।

8.4 प्रतिशत की दर से ग्रोथ पर देश की जीडीपी, पीएम ने दी बधाई

नई दिल्ली. देश की जीडीपी की दिसंबर तिमाही के आंकड़े सरकार ने जारी किए हैं। तीसरी तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था में काफी तेजी आई है। सरकार ने आंकड़ें जारी कर बताया कि तीसरी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 8.4 प्रतिशत की दर से हुई है। सरकार का यह आंकड़ा पूर्वानुमान से अधिक है। देश में निर्माण कार्य में तेजी व सरकारी खर्च में तेजी के चलते जीडीपी की ग्रोथ तेज हुइ है। पिछले तिमाही की जीडीपी 7.6 प्रतिशत रही। पीएम मोदी ने ट्वीट कर भारत की अर्थव्यवस्था में ग्रोथ के आंकड़े शेयर कर बधाई दी है।

धानमंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास है कि अर्थव्यवस्था का तेज

गति से विकास करें जिससे देश के 140 करोड़ नागरिक बेहतर जीवन को जी सके और विकसित भारत को साकार कर सकें।

भारत के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने 29 फरवरी को जीडीपी ग्रोथ संबंधी आंकड़े जारी किए। मंत्रालय ने कहा कि भारत का सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी दिसंबर तिमाही में तेजी से आगे बढ़ी है। जीडीपी ग्रोथ इस तिमाही 8.4 प्रतिशत की दर से दर्ज की गई है जोकि पूर्वानुमानित दर 6.6 फीसदी की दर से कहीं ज्यादा है।

गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ होगी कार्रवाई, वीजा व पासपोर्ट हो सकता है रद्द

हरियाणा. किसानों और पुलिस फोर्स के बीच पिछले कई दिनों से जमकर संघर्ष देखने को मिल रहा है। किसानों और हरियाणा पुलिस फोर्स के बीच ये संघर्ष शंभू बॉर्डर पर देखने को मिला।

डीएसपी अंबाला जोगिंदर शर्मा ने कहा है कि आंदोलन की आड़ में कई लोगों की ओर से पत्थरबाजी की गई। हिंसा में शामिल कथित किसानों के पासपोर्ट और वीजा रद्द करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हमने किसानों के विरोध के नाम पर पंजाब से हरियाणा आने वाली हिंसा में शामिल लोगों की पहचान की है। इसके अलावा हमने सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से उनकी पहचान की है। हम मंत्रालय और दूतावास से उनके वीजा और पासपोर्ट रद्द करने का अनुरोध करेंग उनकी तस्वीरें, नाम और पता पासपोर्ट कार्यालय को दिया जाएगा। हम उनके पासपोर्ट रद्द करने पर काम कर रहे हैं। बहुत सारी तस्वीरें हमने ऐसी ली है, जिसमें कई लोग अलग-अलग तरह से उपद्रव मचा रहे हैं और तोड़फोड़ कर रहे हैं।

बता दें कि दिल्ली चलो मार्च शुरू होने पर किसानों और पुलिस के बीच कई बार झड़प हुई। पुलिस की तरफ से उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोलों का भी इस्तेमाल किया गया ताकि लोग बैरिकेडिंग न तोड़ सकें।

फ़र्ज़ी विजीलैंस अधिकारी बन की धोखाधड़ी, गिरफ़्तार

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने पिन्दर सोढी निवासी कस्बा चब्बेवाल, जिला होशियारपुर को गिरफ़्तार किया है क्योंकि उसने और उसके साथियों ने अपने आप को विजीलैंस मुलाज़िम बता कर एक किसान से 25 लाख रुपए के दो चैक लिए थे जिस कारण उनको अदालत द्वारा भगौड़ा करार दे दिया गया था।

विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि यह मुकदमा शिकायतकर्ता पलविन्दर सिंह निवासी गाँव भैनी सालू, थाना कूम कलाँ, ज़िला लुधियाना द्वारा दर्ज करवाया गया था। उन्होंने बताया कि इस मामले में मुलजिम मनजीत सिंह और परमजीत सिंह निवासी गाँव मेहलों, तहसील समराला और परमिन्दर सिंह निवासी अकाश कालोनी, होशियारपुर

शहर को पहले ही गिरफ़्तार किया जा चुका है परन्तु मुख्य मुलजिम पिन्दर सोढी और हरदीप सिंह निवासी खमाणों कस्बा फ़रार थे और उनको इस साल जनवरी में अदालत द्वारा पी. ओ. ऐलान कर दिया गया था।

प्रवक्ता ने बताया कि मुख्य दोषी पिन्दर सोढी को ब्यूरो के मुलाजिमों ने बहुत मुश्तैदी के साथ सैक्टर 32, बी. सी. एम. स्कूल के नज़दीक, चंडीगढ़ रोड, लुधियाना के एक पार्क के नजदीक उस समय गिरफ़्तार किया जब वह अपनी मारुति सविफट कार पी. बी. - 07 सी. डी. - 2603 में भागने की कोशिश कर रहा था। मुलजिम की उक्त कार की तलाशी के दौरान मानवाधिकार आयोग के कई लॉगो, तीन मोबाइल फ़ोन, यू. ए. ई. देश का ड्राइविंग लायसंस, भारतीय करैंसी नोट समेत 305 दिरहाम के करैंसी नोट बरामद हुए हैं।

उन्होंने बताया कि दोषी पिन्दर सोढी को कल अदालत के समक्ष पेश किया जायेगा और इस मामले की आगे जांच जारी है।

हाईकोर्ट में जनहित याचिका पर कार्रवाई के डर से जीरो एफआईआर हुई : बाजवा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने गुरुवार को कहा कि आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने शुभकरण सिंह की हत्या के मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ जीरो एफआईआर तभी दर्ज की जब उन्होंने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने कहा, 'पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में मेरे द्वारा दायर याचिका पर कार्रवाई के डर से पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पाटरां थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 302 और 114 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है। अन्यथा, वह पिछले सात दिनों से क्या कर रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बाजवा ने कहा कि प्राथमिकी में उल्लेख है कि अगर शुभकरण की हत्या इस पुलिस थाने (पाटरां) की सीमा के बाहर हुई है तो इसे हरियाणा के जींद जिले के गढ़ी पुलिस थाने में रेफर किया जा सकता है। यह स्थापित किया गया कि आप सरकार ने यह प्राथमिकी गलत इरादे से दर्ज की थी। यह एफआईआर और कुछ नहीं बल्कि दिखावा है। बाजवा ने कहा कि प्राथमिकी अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज की गई है। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज के खिलाफ सीधे प्राथमिकी क्यों नहीं दर्ज की जा सकती है, जबकि उन्होंने ही पुलिस को शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे किसानों के खिलाफ क्रूर बल प्रयोग करने का निर्देश दिया था? यह एक बहुत ही कमजोर एफआईआर है और अदालत की जटिल कार्यवाही के दौरान टिक नहीं पाएगी। आप सरकार ने शुभकरण सिंह के परिवार को धोखा दिया है।

याचिका दायर होने के बाद हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को नोटिस जारी किया था। तभी मान सरकार गहरी नींद से जागी और जीरो एफआईआर दर्ज कराई। इस बीच, भगवंत मान को पंजाब के लोगों को स्पष्टीकरण देना चाहिए कि उन्हें पहले कानूनी कार्रवाई करने से किसने रोका था।

विपक्षी नेता ने कहा कि शुभकरण सिंह की मौत पर कार्रवाई के विवरण के बारे में बार-बार पूछताछ करने के प्रयासों के बावजूद, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कोई भी विवरण देने से इनकार कर दिया। पुलिस अधिकारी यह भी बताते हैं कि वे इस मुद्दे पर अब तक चुप क्यों रहे और मूकदर्शक बने रहे। कुछ खबरों का हवाला देते हुए बाजवा ने उच्च न्यायालय के संज्ञान में यह बात भी लाई कि कुछ प्रदर्शनकारियों के चेहरे, माथे पर पैलेट गन के निशान भी लगे हैं।

अंतरराष्ट्रीय नार्को स्मगलिंग और अंतर-राज्यीय हथियारों की तस्करी के कारटेल का पर्दाफाश; 5 किलो हेरोइन, 4 हथियारों सहित तीन काबू

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/ अमृतसर

कमिशनरेट अमृतसर पुलिस ने 5 किलो हेरोइन समेत नशा तस्कर को काबू करके अमरीका स्थित जसमीत उर्फ लक्की की हिमायत वाले अंतरराष्ट्रीय नार्को समगलिंग कारटेल का पर्दाफाश किया है। पंजाब के डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि पकड़े गए नशा तस्कर की पहचान गुरप्रीत कुमार उर्फ दीप (27) निवासी न्यू शांति नगर भजवाड़ा

होशियारपुर के तौर पर हुई है। पुलिस टीमों ने हेरोइन की सप्लाई के लिए इस्तेमाल की जा रही टाटा ए. सी. ई. (छोटा हाथी) गाड़ी (पी. बी. 07- ए. एल. - 9743) को भी ज़ब्त किया है। डीजीपी ने बताया कि एक अन्य मामले में कमिशनरेट अमृतसर पुलिस द्वारा दो व्यक्तियों को गिरफ़्तार करके उनके कब्ज़े में से चार देसी पिस्तौलों सहित चार मैगज़ीनें और 16 जिंदा कारतूस बरामद करके एम. पी. आधारित हथियार सप्लाई करने वाले रैकेट का पर्दाफाश किया है।

गिरफ़्तार किये गए व्यक्तियों की पहचान हरमिन्दरपाल सिंह (23) और जतिन्दरपाल सिंह उर्फ बाबा (20) दोनों निवासी गुरू नानक कालोनी अमृतसर के तौर पर हुई है। पुलिस टीमों ने उनका ऐक्टिवा स्कूटर (पी. बी. 02- ई. एस.-0344) भी कब्ज़े में लिया है, जिस पर वह हथियारों की खेप पहुँचाने जा रहे थे। पुलिस कमिश्नर (सी. पी.) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि भरोसेयोग सूचना पर कार्यवाही करते हुये पुलिस टीमों ने गाँव काजीकोट से चब्बाल रोड़ की तरफ जाकर मुलजिम गुरप्रीत कुमार उर्फ दीप को काबू किया। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान काबू किये कथित दोषी गुरप्रीत कुमार ने खुलासा किया कि वह अमरीका आधारित जसमीत उर्फ लक्की के इशारे पर सरहद पार से हेरोइन की खेप ला रहे थे।

रिश्वत लेते हुए एएसआई गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विजीलेंस ब्यूरो ने थाना अनाज मंडी, पटियाला के अधीन फग्नमाजरा के इंचार्ज सहायक सब-इंस्पैक्टर (एएसआई) नराता राम को 8,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। राज्य विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त पुलिसकर्मी को जसप्रीत सिंह निवासी सरहिंद, जिला फतेहगढ़ साहिब की शिकायत पर गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि आरोपी को कल अदालत में पेश किया जाएगा और मामले की आगे की जांच जारी है।

पंजाब इंस्टीट्यूट ऑफ लीवर एंड बिलियरी साइंसज़ लोगों को समर्पित

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा- लोगों को विश्व स्तर की स्वास्थ्य सेवाएं हासिल होंगी

• **जालंधर ब्रीज.** एसएएस नगर

राज्य की सरकारी संस्थाओं की बदहाली के लिए अकाली और कांग्रेसी सरकारों को सीधे तौर पर ज़िम्मेदार ठहराते हुये मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि उनकी सरकार अब सरकारी संस्थाओं में अव्वल दर्जे की सहूलतें प्रदान कर रही है जिससे पंजाब का कोई भी व्यक्ति सरकारी सहूलतों का लाभ लेने से वंचित न रहे। इस मौके पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डाक्टर बलबीर सिंह और सांस्कृतिक मामलें और पर्यटन मंत्री अनमोल गगन मान भी उपस्थित थे। गुरुवार को यहां 'पंजाब इंस्टीट्यूट ऑफ लीवर एंड बिलियरी साइंसज़' लोगों को समर्पित करने के बाद इक्ट्ठ को संबोधन करते हुये कहा कि पिछली सरकारों के मौके

पर राजनीतिज्ञ प्राईवेट संस्थाओं के कारोबार में से हिस्सेदारी लेते थे और इसके एवज़ में सरकारी संस्थाओं को बिल्कुल ही अनदेखा कर देते थे।

राज्य में अब सरकारी संस्थाओं की बेहतरी के लिए उठाये जा रहे कदमों का ज़िक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने मिसाल के तौर पर बताया कि मोहाली में आज लोगों को समर्पित किया गया पंजाब इंस्टीट्यूट ऑफ लीवर एंड बिलियरी साइंसज़ देश की दूसरी और पंजाब की पहली प्रतिष्ठित संस्था है जिसके पास इतनी आधुनिक मशीनें हैं कि किसी प्राईवेट अस्पताल के पास भी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य में 45 जच्चा- बच्चा देखभाल केंद्र स्थापित कर रही है जिनमें से 37 लोगों को समर्पित किये जा चुके हैं। पिछली सरकारों के हितोत्साहित करने वाले सिस्टम से नाराज़ हो चुके विदेश जाने वाले नौजवानों की ' वतन वापसी' (रिवर्स माईगर्रेशन) की मिसाल देते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि दो सालों में 70,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश हो चुका है जिससे तीन लाख नौजवानों को रोज़गार मिलेगा।

नेताओं को दी पंजाबी की परीक्षा पास करने की चुनौती : मुख्यमंत्री ने अकाली नेता हरसिमरत बादल, बिक्रम सिंह मजीठिया, और कांग्रेसी नेता प्रताप सिंह बाजवा, अमरिन्दर सिंह राजा वड़िंग और नवजोत सिद्धू को पंजाबी भाषा के नालायक राजनीतिज्ञ बताते हुये इनको पंजाबी भाषा की लिखित परीक्षा पास करने की चुनौती दी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह नेता कान्वेंट स्कूलों से पढ़े हुए हैं जिस कारण यह पंजाबी भाषा की परीक्षा पास ही नहीं कर सकते। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि वह इन नेताओं को सवालों के जवाब भी बता दें तो भी वह उत्तर सही नहीं लिख सकते।

फंड रोकने पर केंद्र की आलोचना : केंद्र सरकार द्वारा पंजाब के फंड रोकने की सख़्त आलोचना करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ग़ैर-भाजपा राज्य सरकारों के साथ नफ़रत और भेदभाव करती है जिस कारण पंजाब की तरह दिल्ली, केरला, पश्चिमी बंगाल, तमिलनाडु जैसे राज्य अपने फंड लेने के लिए सुप्रीम कोर्ट में जाने के लिए मजूबर हैं।

वो देश जहां भारतीय कम पैसों में घूम सकते हैं, बेफिक्र प्लान करें विदेश की ट्रिप!

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

विदेश घूमने के लिए लोग कई बार इसलिए मन मारकर बैठ जाते हैं, क्योंकि इसके लिए काफी ज्यादा पैसे चाहिए होते हैं। हालांकि कुछ देश ऐसे भी हैं, जहां की ट्रिप प्लान करना भारतीयों के लिए थोड़ा सस्ता है। इन देशों की खूबसूरती तो देखने लायक है ही, इसके साथ ही आपको यहां जाने के लिए बहुत भारी-भरकम बजट की जरूरत भी नहीं पड़ेगी।

विदेश जाने का सपना तो हर किसी के मन में पलता है। आप भी अपने फैमिली या पार्टनर के साथ देश से बाहर कहीं घूमना चाहते हैं, लेकिन बजट को लेकर परेशान हैं तो बेफिक्र रहें। जान लेते हैं ऐसे देशों के बारे में जहां की ट्रिप कम पैसों में प्लान की जा सकती है।

वियतनाम_ कम पैसों में विदेश की ट्रिप प्लान करनी है तो वियतनाम आपके लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन रहेगा। यहां की प्राकृतिक सुंदरता आपका दिल खुश कर देगी। वहीं इस खूबसूरत देश की यात्रा करने के लिए आपको ज्यादा पैसे भी नहीं खर्च करने पड़ेंगे। दरअसल भारत का रुपया वियतनाम में काफी मजबूत है। अगर एक रुपये को डोंग में कनवर्ट किया जाए तो करीब 296 रुपये बनते है।

इंडोनेशिया_ भारतीय लोगों के लिए इंडोनेशिया पसंदीदा डेस्टिनेशन्स में से एक है। आप भी यहां की ट्रिप आसानी से प्लान कर सकते हैं। कपल्स के लिए भी यह जगह घूमने लायक है। यहां पर भारतीय 1 रुपया 188 रुपये का है। हालांकि अब इंडोनेशिया के बाली में विदेशी पर्यटकों के लिए टैक्स लागू कर दिया गया है।

कंबोडिया_ भारतीय लोगों के लिए कंबोडिया भी एक ऐसा देश है, जहां की ट्रिप आराम से प्लान कर सकते हैं। यहां पर भारतीय 1 रुपया करीब 49 रुपये का है। कंबोडिया जाने के लिए वीजा ऑन अराइवल की सुविधा मिलती है यानी आप एयरपोर्ट पर जाकर वीजा ले सकते हैं जो 30 दिन के लिए मान्य होगा। यहां की वीजा फीस भी ज्यादा नहीं है।

श्रीलंका_ पड़ोसी देश श्रीलंका भी घूमने के लिए बेहतरीन जगह है। अगर आप कुछ एडवेंचर एक्टिविटीज जैसे ट्रैकिंग करना चाहते हैं तो इसके लिए भी श्रीलंका अच्छी डेस्टिनेशन है। इसके अलावा श्रीलंका में रावण वाटरफॉल, गल विहार, नाइन आर्च ब्रिज, मिनटेल, दांबुला गुफा मंदिर जैसी जगहों पर घूम सकते हैं। भारतीय 1 रुपया श्रीलंका में लगभग 3.761 सेंट होते हैं।

TRAVELLING

घूमने-फिरने के शौकीन हैं, लेकिन आपको लगता है कि विदेश जाने के लिए बहुत ज्यादा पैसों की जरूरत है। तो बता दें कि कुछ ऐसे भी देश हैं जहां की टिप प्लान करने के लिए आपको ज्यादा भारी-भरकम बजट की जरूरत नहीं पड़ेगी।

WEDDING

गुजरात के जामनगर में होगी अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी,

मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और वीरेन मर्चेंट की बेटी राधिका मर्चेंट की शादी इस साल की सबसे चर्चित शादी होने वाली है। राधिका और अनंत की शादी के फंक्शन के लिए जामनगर को चुना गया है। प्री वेडिंग के सारे कार्यक्रम जामनगर के विशाल रिलायंस ग्रीन्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया जाएगा। आइए जानते हैं क्या है इस महलनुमा कॉम्प्लेक्स में खास...

रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी की शादी जुलाई में होनी तय हुई है। इससे पहले एक से लेकर तीन मार्च तक जामनगर में स्थित रिलायंस कॉम्प्लेक्स में कुछ प्री वेडिंग फंक्शन होने जा रहे हैं। इस फंक्शन में देश विदेश के कई दिग्गज नाम शामिल होनेवाले हैं। अनंत और राधिका मर्चेंट की शादी से पहले के फंक्शन 16 फरवरी से गुजरात के जामनगर में शुरू हो चुके हैं। 16 फरवरी के दिन लगन लखवानु का समारोह आयोजित किया गया था। दोनों की सगाई राजस्थान के श्रीनाथ मंदिर में पारंपरिक तरीके से हुई थी। प्री वेडिंग के सारे कार्यक्रम जामनगर के विशाल रिलायंस ग्रीन्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया जाएगा।

क्या है जामनगर की खासियत - जामनगर गुजरात के सबसे खूबसूरत शहरों में से एक है। यहां आपको गुजरात की पुरानी परंपरा और नई संस्कृति दोनों का एक मिश्रण देखने को मिलेगा। यहां आपको राजपूती आर्किटेक्चर का बेहतरीन नमूना देखने को मिल जाएगा। यह शहर नागमत्ती और रंगमत्ती नदियों के तट पर बसा हुआ है। जामनगर में मोती और पीतल कारोबारियों का बड़ा बाजार है। यहां आपको कई ऐतिहासिक जगहें भी देखने को मिल जाएंगी जिनमें लखोटा किला, दरबार गढ़, खिजादिया बर्ड सैंक्चुरी, नरार मरीन नेशनल पार्क शामिल है।

कैसे पहुचें जामनगर - जामनगर ऐसा शहर है जो देश के सभी हिस्सों से जुड़ा हुआ है। यहां आने के लिए आपको शहरों से आसानी से बस सेवा मिल जाएगी। किसी भी राज्य के सराकरी बसों का इस्तेमाल करके आप जामनगर पहुंच सकते हैं। ट्रेन से जामनगर पहुचना चाहते हैं तो जामनगर रेलवे स्टेशन यहां के लिए सबसे नजदीकी रेहगा। देश के किसी भी कोने से जामनगर के लिए ट्रेन आसानी से मिल जाएगी। फ्लाइट से भी आप आसानी से जामनगर पहुंच सकते हैं। जामनगर का गोवर्धन एयरपोर्ट सहर से महज 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। मुंमई औऱ दिल्ली जैसे बड़े शहरों से जामनगर के लिए आसानी से फ्लाइट मिल जाएगी।

जामनगर से अंबानी परिवार का क्या कनेक्शन है - मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और वीरेन मर्चेंट की बेटी राधिका मर्चेंट की शादी इस साल की सबसे चर्चित शादी होने वाली है। शादी से पहले के फंक्शन के लिए जामनगर को चुना गया है। इस शहर का अंबानी परिवार के जीवन में खास महत्व है। दरअसल, इस शहर में अंबानी परिवार का एक पुराना आवास है जहां से इन दोनों की शादी के फंक्शन होनेवाले हैं।

कार्बोहाइड्रेट नहीं खाने से शरीर में क्या बदलाव दिखेंगे?

जब भी वजन कम करने की बात आती है हर कोई यही सलाह देता है कि डाइट में कार्बोहाइड्रेट लेना कम कर दो. लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि कार्बोहाइड्रेट हमारे शरीर में एनर्जी देने का काम करते हैं. इनकी कमी से शरीर को तमाम दिक्कतें हो जाती हैं...

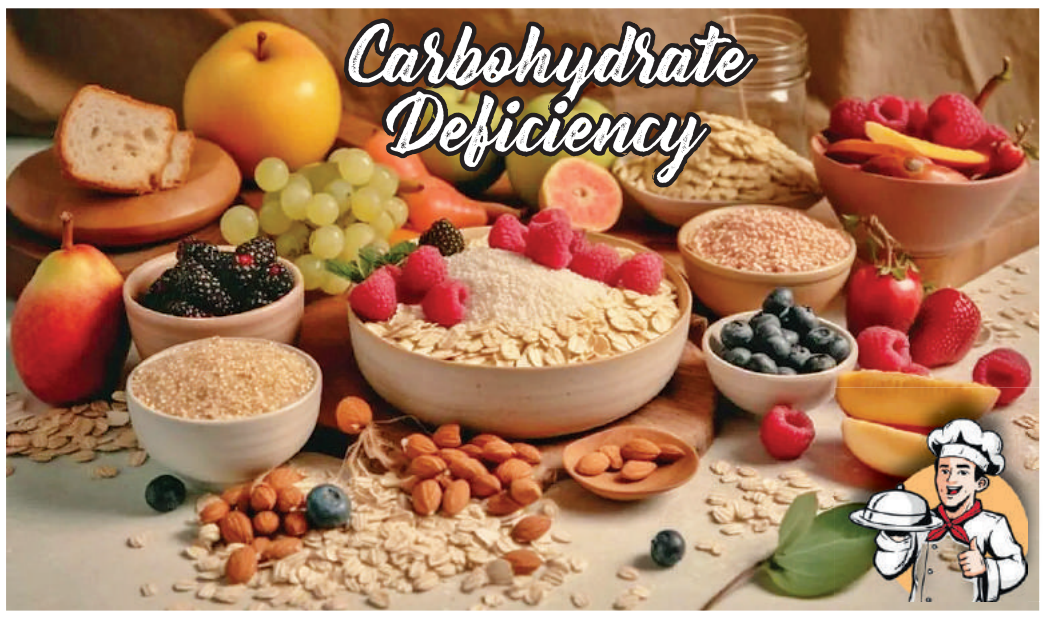

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

हेल्दी रहने के लिए डाइट पर ध्यान देना जरूरी है। जब तक हमारे शरीर में पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में नहीं जाएंगे, हम बीमारियों की जद में रहेंगे। विटामिन, मिनरल्स, फाइबर और आयरन समेत तमाम न्यूट्रीएंट्स शरीर के लिए जरूरी हैं। लेकिन इनके अलावा, कार्बोहाइड्रेट भी एक ऐसा पोषक तत्व है- जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। ये शरीर में एनर्जी देने का काम करता है।

डायबिटीज या वजन बढ़ने की समस्या का सामना करने वाले लोग डाइट में कार्बोहाइड्रेट्स को शामिल नहीं करते हैं। लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि अपने खाने में कार्बोहाइड्रेट की कमी के कारण शरीर में कार्बोहाइड्रेट डिफिशिएंसी हो सकती है। इसके चलते हमारे शरीर को तमाम समस्याएं हो सकती हैं।

एनर्जी के लिए जरूरी

एक्सपर्ट के मुताबिक शरीर में कार्बोहाइड्रेट ऊर्जा का मुख्य स्रोत है। जब शरीर को यह ऊर्जा का मुख्य स्रोत नहीं मिल पाता है तब उसे दूसरे पोषक तत्वों पर निर्भर रहना पड़ता है। कार्बोहाइड्रेट की कमी से आपको कमजोरी और सुस्ती जैसी समस्याएं हो सकती हैं और लगातार कार्बोहाइड्रेट की कमी आपके शरीर में अन्य गंभीर समस्याएं भी पैदा कर सकती है। इसलिए आप नियंत्रित मात्रा में कार्बोहाइड्रेट का सेवन जरूर करें।

कितना खाएं कार्बोहाइड्रेट

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो अगर आप दिन में 2000 कैलोरी खाते हैं तो डाइट में 225-325 ग्राम कार्ब्स को जरूर शामिल करना चाहिए। डॉ। पंकज वर्मा कहते हैं कि अगर हमारे शरीर में कार्ब्स की मात्रा कम होगी तो हमें थकान और सुस्ती की दिक्कत बार-बार हो सकती है।

कब्ज की समस्या

हेल्थ एक्सपर्ट्स का ये भी कहना है कि डाइजेशन को ठीक रखने के लिए फाइबर का सेवन जरूरत है। अगर आप कार्ब्स वाली डाइट खाना बंद कर देते हैं तो शरीर में इसकी कमी आ जाती है। इसके चलते आपको कब्ज की समस्या हो सकती है। अपने खाने में कम मात्रा में आलू, अनाज और पास्ता जैसे चीजों को शामिल करें। हालांकि, डायबिटीज के मरीजों को हेल्थ एक्सपर्ट की सलाह पर ही कार्बोहाइड्रेट खाना चाहिए।

हर वक्त आइना निहारना आदत ही नहीं, हो सकता है बॉडी डिस्मॉर्फिक डिसऑर्डर

HEALTH

अच्छा और खूबसूरत दिखना हर किसी की चाह होती है लेकिन इस चक्कर में कुछ लोग हर वक्त खुद को आइने में निहारते रहते हैं। खुद से प्यार करने में कोई बुराई नहीं है लेकिन हर वक्त खुद को शीशे में निहारना एक बीमारी भी हो सकती है जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

अच्छा और खूबसूरत दिखना हर किसी की चाह होती है लेकिन इस चक्कर में कुछ लोग हर वक्त खुद को आइने में निहारते रहते हैं। खुद से प्यार करने में कोई बुराई नहीं है लेकिन हर वक्त खुद को शीशे में निहारना एक बीमारी भी हो सकती है जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं। हम सब लोग अपने रंग रूप और शरीर के बनावट को लेकर काफी चिंतित रहते हैं। कुछ लोग तो अपने सांवले रंग को लेकर इतना चिंतित और नाखुश रहते हैं कि वह अपना रूप निखारने के पीछे काफी खर्चा कर बैठते हैं। ऐसे में अगर इन लोगों के चेहरे पर किसी दाग, धब्बे के निशान आ जाए तो ये उनके लिए काफी परेशानी का विषय हो जाता है। लेकिन क्या हो अगर खुद को हर वक्त आइने में निहारने की आदत कोई बीमारी का रूप ले ले।

दरअसल, जो लोग हर वक्त खुद को आइने में निहारते रहते हैं उनमें जल्द ही एक तरह का डिसऑर्डर देखा जाता है जिसे बॉडी डिस्मॉर्फिक डिसऑर्डर कहा जाता है। ये बीमारी आपको धीरे धीरे डिप्रेशन के गहरे गढ्ढे में ढ़केलने लगती है जिससे निकल पाना हर किसी के लिए मुमकिन नहीं हो पाता है।

क्या है बॉडी डिस्मॉर्फिक डिसऑर्डर : बॉडी डिस्मॉर्फिक डिसऑर्डर एक तरह का मेंटल डिसऑर्डर है जो ज्यादातर उन लोगों क शिकार बनाता है जो हद से ज्यादा अकेलापन महसूस करते हैं, या फिर जो लोग हमेशा दूसरों के आगे खुद को अच्छा दिखाने की कोशिश करते हैं। अगर इस डिसऑर्डर पर ध्यान न दिया जाए तो जल्द ही ये ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर, एन्जाइटी और डिप्रेशन में बदल सकता है। कुछ मामलों में, यह रोगी में ईटिंग डिसऑर्डर को जन्म दे सकता है, जो उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

डिस्मॉर्फिक डिसऑर्डर के लक्षण : बॉडी डिस्मॉर्फिक डिसऑर्डर के इन संकेतों को हमें भूलकर भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए नहीं तो ये गंभीर मेंटल प्रॉब्लम को दावत दे सकता है।

• अपने रंग रूप का हद से ज्यादा विशलेषण करना • किसी एक गलती को पकड़ लेना और उसी पर बातें करते रहना • लगातार आइने में खुद को निहारते रहना • दूसरों के आगे हमेशा खुद को सही ठहराना • अपने शारीरिक बनावट पर शर्मिंदा होना

स्किन के साथ-साथ पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाते हैं होली के रंग

• **जलंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

होली रंगों का त्यौहार है, इस पर्व का लोग बेसब्री से इंतजार करते हैं। होली के उत्साह में डूबकर लोग एक दूसरे को जी भरकर रंग लगाते हैं लेकिन कुछ रंग ऐसे ही भी हैं जो न सिर्फ आपकी सेहत बल्कि पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाते हैं। दरअसल, होली के रंगों को बनाने के लिए कई जगह इसमें डीजल, इंजन ऑयल, कांच का पाउडर, कॉपर सल्फेट जैसी हानिकारक चीजों का इस्तेमाल करते हैं। इससे लोगों को कई तरह की परेशानी हो सकती है।

HOLI COLOR SIDE EFFECTS

होली रंगों का त्यौहार है, इस पर्व का लोग बेसब्री से इंतजार करते हैं। होली के उत्साह में डूबकर लोग एक दूसरे को जी भरकर रंग लगाते हैं लेकिन कुछ रंग ऐसे ही भी हैं जो न सिर्फ आपकी सेहत बल्कि पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाते हैं।

होली के रंग स्किन को तो नुकसान पहुंचाते ही हैं साथ ही ये पर्यावरण में मौजूद बाकि जीव जंतुओं के लिए भी नुकसानदायक होते हैं। काले रंग को बनाने में अधिकतर लेड ऑक्साइड का इस्तेमाल किया जाता है जो आपके गुर्दे पर असर डालता है। हरे गुलाल में खासकर कॉपर सल्फेट मिलाया जाता है जिससे आपकी आंखों में एलर्जी, जलन और सूजन की समस्या हो सकती है। चमकीले रंग के गुलाल में एल्युमिनियम ब्रोमाइड मिलाया जाता है जो आपके शरीर में कैंसर को उत्पन्न कर सकता है। आइए जानते हैं किस तरह से ये रंग हमारे शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं।

बाजार में कई तरह के केमिकल युक्त रंग मिलते हैं जिन्हें अक्सर लोग नेचुरल रंग बोलकर बेच देते हैं। लोग नेचुरल समझकर इन्हें खराद तो लेते हैं लेकिन बाद में उन्हें भारी नुकसान झेलना पड़ जाता है। आइए जानते हैं होली के रंगों से आपको क्या नुकसान हो सकते हैं।

- होली के रंगों को बनाने में केमिकल्स का इस्तेमाल किया जाता है जिसके वजह से आपको स्किन पर एलर्जी, ड्राईनेस और खुजली की समस्या हो सकती है।
- होली खेलते वक्त अधिकतर लोग बेपरवाह हो जाते हैं और मौज मस्ती में कई बार रंग उनके आंख, नाक और मुंह में भी चला जाता है। आंखों में ये रंग चला जाए तो आपको इंफेक्शन, इचिंग की समस्या हो सकती है। होली खेलते वक्त आंखों में रंग चला जाए तो आंखओं को हाथ से बिलकुल न रगड़े बल्कि इसकी जगह पानी से आंख धो लें।
- अस्थमा या सांस से संबंधित किसी भी बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को इन रंगों से भारी नुकसान हो सकता है। केमिकल से बने ये रंग सांस के जरिए फेफड़ों में पहुंचकर अस्थमा अटैक का खतरा पैदा कर सकते हैं। सांस संबंधी किसी भी समस्या से जूझ रहे हैं तो होली खेलने के दैरान मास्क से अपने नाक जरूर ढक लें।
- होली का रंग न सिर्फ स्किन बल्कि बालों को भी नुकसान पहुंचा सकता है। इनमें मौजूद केमिकल्स स्कैल्प में डैंड्रफ और खुजली की समस्या पैदा कर सकते हैंइन रंगों से बाल ड्राई हो जाते हैं और हेयर फॉल भी होने लग जाता है।
- इंसानों के साथ साथ पशु पक्षियों को भी इन रंगों से काफी नुकसान पहुंचता है।
- होली के रंग न सिर्फ इंसान बल्कि पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाते हैं। हम हर साल होली खेलने में सैंकड़ों लीटर पानी खर्च कर देते हैं जो पर्यावरण के लिहाज से बिलकुल भी सही नहीं है।

अनुराग सिंह ठाकुर ने की चंडीगढ़ में 'फिल्म प्रमाणन सुविधा कार्यालय' खोलने की घोषणा

सीबीएफसी का सुविधा कार्यालय खुलने से क्षेत्रीय फिल्मों के लिए प्रमाणीकरण प्रक्रिया काफी आसान हो जाएगी, पंजाबी फिल्म उद्योग लाभान्वित होगा

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने आज चंडीगढ़ में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) का एक क्षेत्रीय सुविधा कार्यालय खोलने की घोषणा की जिसका उद्देश्य इस क्षेत्र के फिल्म निर्माताओं के लिए व्यवसाय करने को और भी अधिक आसान बनाना है। आज चंडीगढ़ में 'चित्र भारती फिल्म महोत्सव' के समापन समारोह में इस आशय की घोषणा करते हुए ठाकुर ने कहा कि इस क्षेत्र के फिल्म निर्माता अपनी-अपनी फिल्मों के लिए सीबीएफसी प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए दिल्ली या मुंबई जाए बिना ही अपनी-अपनी फिल्मों की स्क्रीनिंग के साथ-साथ उनमें विभिन्न कट्स/संशोधनों को प्रस्तुत करने की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस कदम से पंजाबी फिल्म उद्योग को और भी अधिक मजबूती मिलेगी। मंत्री महोदय ने यह भी कहा, "आज भारत को एक कंटेंट हब के रूप में देखा जा रहा है और भारत अंतर्राष्ट्रीय फिल्मों की शूटिंग व फिल्म निर्माण के बाद की प्रक्रिया दोनों ही के लिए पसंदीदा देश बनता जा रहा है।

समानांतर रूप से हमारे अपने कंटेंट को दुनिया भर में काफी सराहा जा रहा है।" यह बताते हुए कि हर साल दुनिया में बनने वाली 2500 फिल्मों में से आधे से अधिक भारत में बनती हैं, केन्द्रीय मंत्री ने कहा, "फीचर फिल्मों से लेकर वृत्तचित्र और लघु फिल्मों से लेकर धारावाहिकों तक, भारतीय सिनेमा आज जीवन के हर रंग को अपने कैनवास पर चित्रित कर रहा है और स्थानीय कहानियों को वैश्विक स्तर पर पहुंचा रहा है।" इसलिए इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि फिल्म किस भाषा में बनाई जा रही है। जब तक कंटेंट दिलचस्प रहेगा, तब तक उसके प्रशंसक हमेशा बने रहेंगे।" ठाकुर ने कहा, "मुझे पूरा विश्वास है कि पंजाब में बनने वाली फिल्मों में भी अपार संभावनाएं हैं। इसलिए, सरकार ने चंडीगढ़ में एक सीबीएफसी का सुविधा कार्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया है ताकि प्रमाणन हासिल करने की प्रक्रिया आसान हो और फिल्म को पूरा करने की प्रक्रिया तेज हो।" केन्द्रीय मंत्री ने विशेष रूप से दिव्यांग फिल्म प्रशंसकों के लिए सिनेमाघरों को और अधिक सुलभ बनाने की दिशा में सरकार द्वारा की जा रही विभिन्न पहल के बारे में भी बात की।

सरकार ने इस संबंध में एक नया दिशानिर्देश तैयार करने के उद्देश्य से विभिन्न हितधारकों से पहले ही टिप्पणियां आमंत्रित की हैं ताकि श्रवण एवं दृष्टिबाधित लोगों को अन्य लोगों की तरह ही फिल्म का आनंद लेने का अवसर मिल सके। "इस देश के सभी नागरिकों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दृष्टिकोण रहा है।

विकलांग के बजाय दिव्यांग कहने वाले वह पहले व्यक्ति हैं। उनके द्वारा अभिव्यक्त की गई रुचि के कारण ही सरकार ने प्रत्येक फिल्म के दिव्यांगों के लिए उपयुक्त संस्करण को जारी करने का दायित्व अपने ऊपर लिया है।" "पायरेसी के खतरे पर बोलते हुए, ठाकुर ने कहा, "हमने हाल ही में फिल्म पायरेसी को रोकने के लिए सिनेमेटोग्राफ अधिनियम में बहुत सार्थक बदलाव किए हैं। आज, पायरेसी को रोकने के लिए हमारे सभी केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) केंद्रों पर विशेष नोडल अधिकारी नियुक्त किए जा रहे हैं। देश भर में 12 नोडल अधिकारी पायरेसी के खिलाफ शिकायतें प्राप्त करेंगे और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पायरेटेड कंटेंट को हटाने के निर्देश देंगे। शिकायत मिलने के 48 घंटे के भीतर कार्रवाई की जाएगी।

पायरेसी न केवल फिल्म उद्योग के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक बड़ा खतरा है।" रिपोर्ट्स के मुताबिक, पायरेसी की वजह से फिल्म इंडस्ट्री को हर साल 20,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। ठाकुर ने चित्र भारती फिल्म महोत्सव के आयोजकों को बधाई देते हुए कहा, "युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने और उन्हें हमारे देश की समृद्ध संस्कृति और विरासत को प्रतिबिंबित करने वाली सार्थक फिल्में बनाने के लिए प्रेरित करने के लिए किए जा रहे प्रयास वास्तव में सराहनीय हैं। मैं इसे देखने के लिए उत्सुक हूं। इनमें से कई फिल्में निकट भविष्य में दुनिया भर के प्रमुख फिल्म महोत्सवों में प्रदर्शित होंगी।"

मोदी सरकार का तोहफ़ा, हिमाचल से हरिद्वार के लिए अब सीधी ट्रेन सुविधा: अनुराग ठाकुर

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली/ हि.प्र.

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने आज जानकारी देते हुए बताया की ऊना हिमाचल से चल कर सहारनपुर जाने वाली ट्रेन अब हरिद्वार तक चलाई जाएगी।

अनुराग ठाकुर ने उपरोक्त निर्णय हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का धन्यवाद ज्ञापन किया और कहा कि इससे क्षेत्रवासियों को काफी लाभ मिलेगा और तीर्थाटन में बढ़ोतरी होगी।

अनुराग ठाकुर ने कहा " केंद्र में हमीरपुर संसदीय क्षेत्र और हिमाचल का प्रतिनिधि होने के नाते में सदैव यहां के विकास हेतु कार्यरत हूं व हिमाचल प्रदेश में बेहतर कनेटिविटी सुविधा उपलब्ध कराना मेरी प्राथमिकता में है। हरिद्वार एक प्रमुख धार्मिक स्थल है और हिमाचल से बड़ी संख्या में लोग तीर्थाटन करने हरिद्वार जाते हैं।हिमाचल के यात्रीगण ट्रेन से सीधा ही हरिद्वार तक जा सकें ऐसी सुविधा के लिए मैंने व्यक्तिगत रूप से रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव से मिलकर अनुरोध किया था। मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि ऊना हिमाचल- सहारनपुर MEMU जो ऊना से चल कर सहारनपुर तक जाती थी उसके एक्सटेंशन की मंज़ूरी रेलमंत्री जी ने दे दी है। यह ट्रेन अब ऊना से हरिद्वार तक चलाई जाएगी जिससे यात्रियों को आवागमन की बड़ी सुविधा मिलेगी। मैं इसके लिए आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव का आभार प्रकट करता हूँ"

अनुराग ठाकुर ने कहा " विकास ही हमारी प्राथमिकता है और मोदी सरकार ने ऊना को सौग़ातें देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। आदरणीय प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी ने देश की चौथी वन्दे भारत ट्रेन की सौग़ात हिमाचल को दी जिसके शुभारंभ के लिए ख़ुद मोदी जी ऊना आये थे। हिमाचल में अब हिंदुस्तान की सबसे आधुनिक ट्रेन भाजपा के कारण ही चल पड़ी है। हिमाचल प्रदेश में रेलसेवाओं का विस्तार हो, हिमाचल को कनेक्टिविटी से जुड़ी कोई समस्या ना हो इसके लिए मोदी सरकार नई ट्रेनें चलाने से लेकर ज़रूरी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट इत्यादि पर पूरी गंभीरता से काम कर रही है। वित्तवर्ष 2023 - 24 के लिए हिमाचल प्रदेश में रेलवे विस्तार के लिए 1838 करोड़ रुपए मंज़ूर किए हैं। सामरिक महत्व की भानुपल्ली-बिलासपुर-बेरी रेल लाइन के लिए 1000 करोड़ ,चंडीगढ़-बद्दी रेललाइन को 450 करोड़ रुपये , नंगल- तलवाड़ा रेल लाइन के लिए 452 करोड़ रुपए वर्ष 2023-24 के बजट में मंज़ूर किए गये हैं। रेल विस्तार के लिए 1838 करोड़ रुपए की यह मंज़ूरी यूपीए शासन काल के वर्ष 2009 - 2014 से 17 गुना ज़्यादा है । वर्तमान में प्रदेश में रुपए 19556 करोड़ से 258 किलोमीटर की 4 परियोजनाओं पर काम जारी है"

पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय में मंत्री सोम प्रकाश ने प्रशासनिक भवन एवं केंद्रीय पुस्तकालय की रखी आधारशिला

• **न्यूज़ हंट.** बठिंडा

पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में भारत सरकार में वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री माननीय सोम प्रकाश ने प्रशासनिक भवन एवं केंद्रीय पुस्तकालय की आधारशिला रखी।

इस अवसर पर माननीय केन्द्रीय राज्य मंत्री सोम प्रकाश ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी व उनके कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) के अनुसार ए+ ग्रेड प्राप्त करने और भारत के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में स्थान हासिल करने की विश्वविद्यालय की उल्लेखनीय उपलब्धि प्रोफेसर (डॉ.) राघवेंद्र प्रसाद तिवारी के दूरदर्शी नेतृत्व का प्रतिफल है। माननीय मंत्री सोम प्रकाश ने भारत के प्रधान मंत्री माननीय नरेंद्र मोदी के कार्यों को स्मरण करते हुए कहा कि दो सौ साल तक हमारे देश में अंग्रेजों ने राज किया उस समय हमारी आर्थिक स्थिति निम्नतम स्थान पर थी अब हम विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन चुके हैं और 2047 तक हम विश्व के देशों में प्रथम स्थान पर होंगे। अपने मुख्य संबोधन में माननीय केन्द्रीय राज्य मंत्री सोम प्रकाश ने युवा पीढ़ी की क्षमताओं पर आशा व्यक्त करते हुए माननीय प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण को साकार करने व भारत को विकसित राष्ट्र बनाने पर बल दिया। इसके साथ ही उन्होंने कहा भारत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में वृद्धि और व्यापार करने व देश की उच्च रैंकिंग से वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। उन्होंने इन उपलब्धियों का श्रेय प्रधान मंत्री माननीय नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और प्रतिबद्धता को दिया।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी द्वारा माननीय केन्द्रीय राज्य मंत्री सोम प्रकाश को शाल एवं विश्वविद्यालय का स्मृति चिन्ह प्रदान कर अभिनंदन एवं स्वागत किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राघवेन्द्र प्रसाद तिवारी ने अपने स्वागत भाषण पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय में सम्पूर्ण भारत की सांस्कृतिक व शैक्षणिक प्रतिनिधित्व को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा लगभग 36 करोड़ रूपये से निर्माणाधीन प्रशासनिक एवं पुस्तकालय भवन के निर्माण से शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को पठन-पाठन हेतु अधिक सुविधाएँ मिलेंगी। कुलपति ने शिक्षा मंत्री माननीय धर्मेन्द्र प्रधान का भवनों के निर्माण हेतु धनराशि उपलब्ध कराने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया।

कुलपति ने कहा कि देश के वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री माननीय सोम प्रकाश ने बहुत ही कम समय में अपने व्यस्ततम कार्यक्रमों में से समय निकलकर हमें यह अवसर दिया।

प्रो. तिवारी ने माननीय केन्द्रीय राज्य मंत्री सोम प्रकाश की सरलता एवं सहजता का उल्लेख करते हुए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और कहा कि हमें इस सहजताबोध से सीखने की आवश्यकता है। कुलपति प्रो. तिवारी ने विश्वविद्यालय परिसर में पुस्तकालय एवं प्रशासनिक भवन के शिलान्यास होने पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा इसको और गतिशील बनाने हेतु अपनी प्रतिबद्धता दुहरायी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव विजय कुमार शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का सञ्चालन प्रो. संजीव ठाकुर ने किया।

इस अवसर पर प्रभारी अधिष्ठाता अकादमिक प्रोफेसर रामकृष्ण वुसरिका, परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर बी.पी. गर्ग, निदेशक आईक्यूएसी मोनिशा धीमान, सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी, अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

हिमाचल का विकास मोदी की गारंटी : अनुराग ठाकुर

• **जालंधर ब्रीज** . हिमाचल प्रदेश

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश के सोलन और बिलासपुर जिलों में राष्ट्रीय राजमार्ग 205 पर कलार बाला गांव से नौनी चौक तक मौजूदा सड़क को पेव्ड शोल्डर के साथ फोर लेन में अपग्रेड करने हेतु 1244.43 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिलने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी व सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी जी का आभार प्रकट किया है।

अनुराग ठाकुर ने हिमाचलवासियों को इस सौगात हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा, "आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने हिमाचल प्रदेश को सदैव अपना दूसरा घर माना है और इसके विकास को प्राथमिकता दी है।हिमाचल प्रदेश को मोदी सरकार ने सड़क से जुड़ी विभिन्न परियोजनाओं का तोहफ़ा दिया है। आज हिमाचल प्रदेश के सोलन और बिलासपुर जिलों में राष्ट्रीय राजमार्ग 205 पर कलार बाला गांव से नौनी चौक तक मौजूदा सड़क को पेव्ड शोल्डर के साथ फोर लेन में अपग्रेड करने हेतु 1244.43 करोड़ रुपए की स्वीकृति केंद्र की मोदी सरकार की ओर से मिली है। इस मंज़ूरी से शिमला, कांगड़ा, धर्मशाला और मंडी के लोगों को काफी लाभ मिलेगा। इसके साथ हीं दाड़लाघाट और एम्स के लिए भी कनेक्टिविटी में सुधार आएगा। मैं इस मंज़ूरी के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी व केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी जी का आभार प्रकट करता हूँ"

आगे बोलते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा "सड़कें पहाड़ों की लाइफ़लाइन हैं और पहाड़ों में बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए मोदी सरकार सदा ही प्रतिबद्ध रही है। इसी का प्रमाण है कि अगर मैं सिर्फ़ हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की बात करूँ तो आज किरतपुर-नेरचौक फोर लेन रोड बनकर तैयार हो चुका है। मटौर-हमीरपुर-बिलासपुर शिमला फ़ोर लेन, नेर चौक फ़ोर लेन बनवा कर तैयार करवाया जा चुका है। रपए 1200 करोड़ रुपये से हमीरपुर-धर्मपुर-मंडी हाईवे पर का काम जारी है। अम्ब से नादौन तक राष्ट्रीय राजमार्ग का चौड़ीकरण व सुधार कार्य 100 करोड़ की लागत से पूरा हो चुका है। 33.10 करोड़ रूपये की घनराशि से हमीरपुर बाईपास का निर्माण पूरा हो चुका है।

रिज़र्व बैंक आंबड्समैन चंडीगढ़ ने सरकारी अधिकारियों के बीच वित्तीय जागरूकता बढ़ाने के लिए इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

रिजर्व बैंक लोकपाल कार्यालय, चंडीगढ़ ने दिनांक 27 फरवरी 2024 को आरबीआई चंडीगढ़ में सरकारी अधिकारियों के साथ आमने-सामने बातचीत की। सरकारी अधिकारियों में दूरदर्शन, आकाशवाणी और प्रेस सूचना ब्यूरो के अधिकारी शामिल थे। आयोजन का उद्देश्य प्रतिभागियों के बीच वित्तीय जागरूकता बढ़ाना और उन्हें वित्तीय क्षेत्र के बारे में शिक्षित करना था ताकि उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके। कार्यक्रम को मुख्य रूप से राजीव द्विवेदी, रिजर्व बैंक लोकपाल और राम स्वरूप, उप लोकपाल ने संबोधित किया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के ग्राहकों के अधिकारों के साथ-साथ जिम्मेदारियों और कर्तव्यों के बारे में भी बताया। प्रतिभागियों को ओटीपी, खाता/कार्ड विवरण, पिन, इंटरनेट बैंकिंग पासवर्ड आदि साझा न करने के रूप में सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग के लिए क्या करें और क्या न करें के बारे में जागरूक किया गया। वक्ताओं ने वित्तीय क्षेत्र के ग्राहकों से आग्रह किया कि उन्हें केवल सेवा प्रदाताओं के आधिकारिक ऐप, वेबसाइट और कॉल सेंटर नंबर का ही उपयोग करना चाहिए। छोटे वीडियो के माध्यम से, प्रतिभागियों को वित्तीय क्षेत्र के भोले-भाले ग्राहकों को धोखा देने के लिए धोखेबाजों द्वारा अपनाए जाने वाले 'सामान्य तरीके' के बारे में भी अवगत कराया गया। इस संबंध में उनसे आरबीआई की वेबसाइट (https://www.rbi.org.in) पर उपलब्ध 'बी(अ)वेयर' पुस्तिका पढ़ने का भी अनुरोध किया गया। प्रतिभागियों से अनुरोध किया गया कि मोबाइल पर केवाईसी विवरण अपडेट करने, बिजली का कनेक्शन काटने, सिम कार्ड ब्लॉक करने, क्रेडिट कार्ड में रिवॉर्ड पॉइंट भुनाने, टेलीग्राम के माध्यम से नौकरी की पेशकश आदि जैसे किसी भी लिंक को डाउनलोड करके या अन्यथा आने वाले संदेशों पर अत्यधिक सावधानी से बरतनी चाहिए। इसी प्रकार, विदेशी रिश्तेदारों को निधियों के विप्रेषण के संबंध में प्राप्तकर्ताओं को दिए गए किसी भी संदेश पर उचित पुष्टि के बाद ही कार्रवाई की जानी चाहिए।

प्रतिभागियों को यह भी बताया गया कि बैंकों की सेवाओं और गैर-बैंकिंग वित्तीय सेवाओं में कमी के संबंध में शिकायतें रिज़र्व बैंक एकीकृत लोकपाल योजना 2021 (आरबीआईओएस-2021) के तहत जांच के लिए https://www.cms.rbi.org.in पर दर्ज की जा सकती है या मुख्य महाप्रबंधक, केंद्रीय प्राप्ति एवं प्रसंस्करण केंद्र, भारतीय रिज़र्व बैंक, सेंट्रल विस्टा, सेक्टर 17 ए, चंडीगढ़ -160017 को भेजी जा सकती हैं। हर्षित नारंग, भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस), उप निदेशक, पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), चंडीगढ़, उमेश कश्यप, प्रोग्राम एक्ज़ीक्यूटिव, कार्यक्रम प्रमुख, दूरदर्शन (प्रसार भारती) और पूनम अमृत सिंह, कार्यक्रम प्रमुख, ऑल इंडिया रेडियो (आकाशवाणी), चंडीगढ़ ने अपनी टीमों के साथ बातचीत में भाग लिया।

खाद्य सुरक्षा और किसान कल्याण- मोदी की गारंटी

ऐसे समय में जब युद्ध, मौसम और अस्थिरता के चलते पैदा हुई बाजार की नाजुक स्थिति की वजह से वैश्विक खाद्य आपूर्ति दबाव में है, उपभोक्ताओं और किसानों के हितों की दृष्टि से भारत में स्थितियां अपेक्षाकृत बेहतर है। गुरुवार को, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य 8 प्रतिशत बढ़ा दिया है। गन्ना किसानों को पहले से ही विश्व में गन्ने का सबसे अधिक मूल्य मिल रहा है, जबकि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि भारतीय उपभोक्ताओं को विश्व में सबसे सस्ती चीनी उपलब्ध हो। इस प्रकार की पहलों की एक श्रृंखला है, जो किसान कल्याण को उपभोक्ता हितों के साथ जोड़ती हैं।

इस महीने की शुरुआत में, प्रधानमंत्री मोदी ने प्रत्येक नागरिक को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के अपने मिशन को आगे बढ़ाते हुए, 29 रुपये प्रति किलोग्राम की दर पर "भारत राइस" का शुभारंभ करके एक बार फिर देश के नागरिकों को किफायती दरों पर खाद्यान्नों की आपूर्ति सुनिश्चित की है। इसके लिए हम कड़ी मेहनत करने वाले हमारे किसानों को धन्यवाद देते हैं, जो अधिकांश कृषि वस्तुओं का पर्याप्त उत्पादन करके देश को आत्मनिर्भर बना रहे हैं। सरकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध करा रही है। इसके अलावा बाकी आबादी के लिए भी खाद्य उत्पादों की बहुत ही उचित कीमत तय की गई है। भारत राइस, आटा, दाल- मोदी सरकार ने आवश्यक खाद्य वस्तुओं के मूल्यों में असाधारण वृद्धि से निपटने के लिए हमेशा

जालंधर ब्रीज

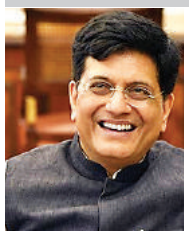

पीयूष गोयल
(केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और वस्त्र मंत्री, भारत सरकार)

तेजी से काम किया है। पिछले वर्ष, सरकार ने 60 रुपये प्रति किलोग्राम की अत्यधिक सब्सिडी दर पर "भारत दाल" और 27.50 रुपये प्रति किलोग्राम की कम कीमत पर "भारत आटा" लॉन्च किया था। इसी प्रकार केंद्रीय एजेंसियां सस्ता प्याज बेचती हैं। इन्होंने उस समय भी टमाटर की आपूर्ति की, जब इसकी कीमतें आसमान छू रही थी, केंद्र सरकार ने कीमतों में इस अंतर का भारी बोझ उठाया। "भारत" खाद्य पदार्थों की बिक्री तेजी से बढ़ी है और ये पदार्थ 18,000 से अधिक दुकानों पर उपलब्ध हैं।

अभूतपूर्व, तेजी- इससे पहले कभी भी केंद्र सरकार ने खुदरा बाजार में खाद्यान्न या दालें नहीं बेचीं। इनके मूल्यों पर नियंत्रण के लिए प्रधानमंत्री मोदी हमेशा निर्णायक कदम उठाते रहे हैं। पिछले वर्ष, जैसे ही बेमौसम की बारिश ने टमाटरों की आपूर्ति में बाधा डाली तो सरकार तुरंत हरकत में आई जिससे टमाटर की कीमतों में वृद्धि पर रोक लगी। प्रधानमंत्री मोदी ने यह सुनिश्चित किया है कि अच्छी गुणवत्ता वाली दाल, चावल और आटे की आपूर्ति किफायती दरों पर की जाए। ये उपाय समाज के हर वर्ग की मदद के लिए बिना किसी भेदभाव के लागू किए गए हैं। इस सरकार की एक अन्य अभूतपूर्व कार्रवाई त्वरित बाजार उपायों के लिए कृषि-बागवानी वस्तुओं का बफर स्टॉक बनाने के लिए एक समर्पित मूल्य स्थिरीकरण कोष बनाया गया। सरकार ने 27,489 करोड़ रुपये की संचयी बजटीय सहायता से प्रमुख दालों और प्याज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भी ऐतिहासिक पहल की है। सरकार ने कड़ा संदेश देते हुए कहा कि जमाखोरी या बाजार में हेराफेरी करने की कोई भी कोशिश भारी पड़ेगी। हालांकि, कुछ महीनों में ही गेहूं की रिकॉर्ड फसल होने का अनुमान है, परंतु सरकार कोई भी जोखिम नहीं उठाना चाहती है। सरकार ने गेहूं पर स्टॉक सीमा लागू कर दी है और बाजार में गेहूं की आपूर्ति बढ़ाने के लिए भी तैयार है। रोजाना 22 आवश्यक खाद्य वस्तुओं के खुदरा और थोक मूल्यों पर नजर रखी जा रही है।

'हर काम देश के नाम'

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत पहल

किसी भी महत्वाकांक्षी राष्ट्र को अपना दृष्टिकोण निर्धारित करना होता है और सभी नागरिकों को वांछित दृष्टि, मिशन और उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए समान रूप से जिम्मेदार हितधारक और योगदानकर्ता बनना होता है। ऐसी प्रतिबद्धता को राष्ट्र के भीतर ही सभी दोष रेखाओं को दूर करना चाहिए। भारत इस तथ्य से अछूता नहीं है, इतिहास भारत की भव्यता और उसकी संपदा को लूटने के लिए किए गए आक्रमणों के उदाहरणों से भरा पड़ा है। भारत को नुकसान पहुंचाने वाले कई लूटपाट अभियान हुए, जिनमें से प्रत्येक एक दूसरे से भी बदतर था, जिसने भारत के ज्ञान, सामग्री, संस्थानों और आत्मसम्मान की संपदा को हानि पहुंचाई। भारत के सदियों तक गुलाम रहने का सबसे महत्वपूर्ण कारण सुरक्षा की उपेक्षा, आक्रमणकारियों और औपनिवेशिक शक्तियों के इरादों का गलत आकलन और आंतरिक सामंजस्य का कमजोर होना था।

2024 में भारत के प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा उल्लिखित राष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहा है, जिसका लक्ष्य 2047 तक 'विकसित और सुरक्षित देश' यानी एक विकसित और सुरक्षित राष्ट्र बनाना है, जो कि ब्रिटेन से स्वतंत्रता के 100 वर्षों के समकालिक है। यह यूरोपीय साम्राज्यवादी भारतीय अर्थव्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को नष्ट करने वाली शक्ति साबित हुआ। 1700 ईस्वी की शुरुआत में 27% वैश्विक जीडीपी योगदानकर्ता होने से, जब ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने यहां खुद को स्थापित किया था, 1940 के दशक में जब शोषकों ने अंततः भारत छोड़ा, भारत मुश्किल से 3% वैश्विक जीडीपी योगदानकर्ता रह गया। औपनिवेशिक शक्ति भारत की अकांक्षा

जालंधर ब्रीज

ले जनरल वीजी खंडारे
(रिटायर्ड)

और भावना को नष्ट नहीं कर सकी, भारत का अस्तित्व हजारों वर्षों की विरासत और इतिहास है, जो इसे एक समृद्ध सांस्कृतिक सभ्यता के रूप में स्थापित करता है। ईस्ट इंडिया कंपनी का गठन 1600 ई. में हुआ था, जिसने समाज के सभी वर्गों की दिनचर्या के क्षेत्रों में बल, छल और गुलामी के माध्यम से भारत को बरबाद करने की शुरुआत की थी। अंतिम परिणाम ब्रिटिश साम्राज्य पर हर आम आदमी और स्वदेशी संस्था की निर्भरता बनाने के लिए स्थानीय प्रणालियों और विशेषज्ञता का शोषण और हेरफेर करना था। जिससे दृष्टिकोण सभ्यतागत गौरव से आत्म-संदेह और आत्म-आलोचना के युग में परिवर्तित हुआ। पश्चिम का अनुकरण करना स्वीकार्य मानदंड बन गया। स्वतंत्रता के सात दशकों के बाद विकास और सुरक्षा की भावना के पुनरुत्थान की लहर का पुनर्जन्म हुआ है। प्रधान मंत्री ने 2014 से शेर के प्रतीक के साथ मेक इन इंडिया मिशन की शुरुआत की जिसके अंदर गियर, पुली और मशीनरी दर्शाई गई है। मिशन ने भारत में आत्मनिर्भरता को सशक्त बनाने के लिए कई बदलावों की शुरुआत की है। 2011 और 2013 के बीच गिरते रुपये मूल्य के साथ सत्ता में आने के बाद, नई सरकार ने भारत को फिर से खड़ा करने के अपने दृष्टिकोण के अनुरूप शासन तंत्र में बदलाव किया। 2014 से 2019 तक की सफलता से प्रेरित होकर, 2014 में विरासत में मिली 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था से 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाकर, प्रधान मंत्री ने 15 अगस्त 2019 को लाल किले की प्राचीर से अपनी घोषना में मात्रात्मक रूप से 2024 तक 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था के विकास प्रक्षेप पथ का आह्वान किया। चीन से शुरू हुई 2020-21 की कोविड महामारी के साथ-साथ चीनी सैन्य एलएसी गतिरोध ने हमारे राष्ट्रीय विकास की गति पर प्रतिकूल प्रभाव डाला। इन बाधाओं के बावजूद भारत जल्द ही 5 ट्रिलियन का आंकड़ा हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

27.14 करोड़ रुपए की लागत से बनाई जाएगी लम्मा पिंड चौक से जंडू सिंघा रोड : सुशील रिंकू

सांसद ने 5.06 किलोमीटर लंबी इस सड़क का निर्माण जल्द शुरू करने के दिए निर्देश

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

लोकसभा सदस्य सुशील कुमार रिंकू ने आज लम्मा पिंड चौक से जंडू सिंघा गांव के बीच करीब 5 किलोमीटर लंबी सड़क की स्थिति का जायजा लेते हुए पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों को जल्द से जल्द यहां नई सड़क का निर्माण पूरा करने का आदेश दिया। सांसद ने बताया कि यहां 27.14 करोड़ रुपए की लागत से इस 5.06 किलोमीटर लंबी सड़क का काम पूरा किया जाएगा। एसडीएम डॉ. जय इंद्र सिंह, कार्यकारी इंजीनियर जसपाल सिंह, गुरमीत सिंह और जंगलात विभाग समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ मौके पर जायजा लेते हुए सांसद ने कहा कि इस रोड से बड़ी तादाद में लोग रोजाना होशियारपुर और हिमाचल प्रदेश के लिए ट्रेवल करते हैं, जिन्हें इस टूटी सड़क के कारण परेशानी का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस सड़क का निर्माण जल्द से जल्द शुरू किया जाए ताकि होशियारपुर की तरफ जाने वाले राहगीरों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। सांसद ने कहा कि इस सड़क निर्माण के दौरान रोड की क्वालिटी को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश पहले ही जारी किये जा चुके हैं और उन्हें साफ तौर पर बताया गया है कि इस सड़क की गुणवत्ता को लेकर किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सीनियर अधिकारियों को नियमित तौर पर सड़क निर्माण के चलने वाले कामकाज की समीक्षा करने के लिए कहा।

सांसद ने आगे बताया कि इस सड़क के बनने से आदमपुर, जंडू सिंघा समेत होशियारपुर से आने वाले राहगीरों को काफी आसानी होगी क्योंकि उन्हें अच्छी सड़क के चलते रामामंडी चौक से होकर जालंधर शहर आने की जरूरत नहीं होगी। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई में पंजाब सरकार लगातार विकास के काम कर रही है और सरकार के पास विकास कार्यों के लिए पैसों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि गांवों को शहर के साथ जोड़ने के लिए सड़क व्यवस्था को पहले से भी ज्यादा मजबूत किया जा रहा है।

डिप्टी कमिश्नर ने राजस्व अधिकारियों को स्वैच्छिक बकाएदारों से वसूली तेज करने को कहा

राजस्व रिकार्ड की अपडेटशन, ई-कोर्ट प्रबंधन प्रणाली, लंबित इंतकाल एवं अदालत केस की भी समीक्षा की गई

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

डिप्टी कमिश्नर विशेष सारंगल ने राजस्व अधिकारियों को जानबूझकर कर्ज न चुकाने वालों से वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए और कहा कि इस काम में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वित्त कमिश्नर राजस्व (एफसीआर) की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में भाग लेने के बाद डिप्टी कमिश्नर ने राजस्व अधिकारियों को एफसीआर द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने के निर्देश दिए।

डिप्टी कमिश्नर ने वसूली, राजस्व रिकार्ड अपडेट करने, ई-कोर्ट प्रबंधन प्रणाली, लंबित इंतकाल, राजस्व मामले, विभिन्न स्तरों पर राजस्व रिकॉर्ड जांच सहित अन्य कार्यों का भी जायजा लिया। सारंगल ने राजस्व अधिकारियों से कहा कि वसूली को प्राथमिकता दी जानी चाहिए ताकि राज्य सरकार का राजस्व बढ़ सके। डिप्टी कमिश्नर ने सब डिविजनल मैजिस्ट्रेट (एसडीएम) को वसूली से संबंधित मामलों की निजी तौर पर निगरानी करने के लिए भी कहा ताकि प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके। उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों को जिले में लंबित इंतकाल की प्रक्रिया में तेजी लाने के भी निर्देश दिए।

डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि लंबित इंतकालो का निपटारा पदाधिकारी जल्द से जल्द करें। उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने राजस्व अधिकारियों से कहा कि वे पूरे राजस्व रिकार्ड को अपडेट करें और ई-कोर्ट प्रबंधन प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू करें। उन्होंने एस.डी.आर.एफ अधीन प्राप्त राशि की बांट एवं उपयोग का जायजा लेते हुए जमाबंदी स्थिति की भी समीक्षा की।

लावारिस बच्चों को 'पंघूडे' में डालने की अपील

डिप्टी कमिश्नर विशेष सारंगल ने ऐसे माता-पिता, जो अपने बच्चों का पालन-पोषण करने में असमर्थ है, उन बच्चों की जिंदगी की रक्षा के लिए 'पंघूडा' योजना की मदद लेने को कहा। जिला प्रशासकीय परिसर में जिला बाल कल्याण और सुरक्षा कमेटी (डी.सी.पी.सी) की एक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे, जिसमें उन्होंने 'पंघूडा' योजना को जिले में लावारिस बच्चों, विशेषकर लड़कियों के लिए एक सुरक्षित आश्रय बताया। उन्होंने कहा कि यह अनूठी योजना अवैध लिंग चयन और नवजात शिशुओं को कूड़े या सड़क किनारे फेंकने पर रोक लगाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। उन्होंने ने बताया कि यह योजना नारी निकेतन और भाई घनैया जी चैरिटेबल ट्रस्ट (यूनिक होम) दो स्थानों पर चल रही है। सारंगल ने कहा कि अनचाहे बच्चों को इन स्थानों के बाहर पालने में रखा जा सकता है।

क्षेत्रीय सिनेमा को सशक्त बनाना

चंडीगढ़ में सीबीएफसी क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित करने का महत्व

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

क्षेत्रीय सिनेमा को सशक्त बनाने और फिल्म निर्माताओं के लिए प्रमाणन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में, केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री श्री अनुराग ठाकुर ने हाल ही में चंडीगढ़ में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) का एक क्षेत्रीय सुविधा कार्यालय स्थापित करने की योजना की घोषणा की। चित्र भारती फिल्म महोत्सव के दौरान की गई इस घोषणा का, विशेषकर पंजाबी फिल्म उद्योग के हितधारकों द्वारा, उत्साह और प्रत्याशा के साथ स्वागत किया गया है।

सीबीएफसी, जिसे आमतौर पर सेंसर बोर्ड के रूप में जाना जाता है, सिनेमैटोग्राफ अधिनियम द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करते हुए, भारत में सार्वजनिक प्रदर्शन से पहले फिल्मों को प्रमाणित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हालाँकि, मुंबई में मुख्यालय वाले नौ क्षेत्रीय कार्यालयों की मौजूदा स्थापना के बावजूद, चंडीगढ़ में एक क्षेत्रीय कार्यालय की अनुपस्थिति के कारण पंजाब क्षेत्र में फिल्म निर्माताओं को चुनौतियां का सामना करना पड़ता है। बुनियादी ढांचे में इस कमी के कारण फिल्म निर्माताओं को अक्सर दिल्ली या मुंबई की लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे तार्किक जटिलताएं होती हैं और प्रमाणन प्रक्रिया में देरी होती है। चंडीगढ़ में सीबीएफसी कार्यालय की स्थापना से इन चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान हो सकेगा।

चंडीगढ़ में सीबीएफसी कार्यालय की स्थापना क्षेत्रीय फिल्म उद्योग की आर्थिक क्षमता को स्वीकार करती है और इसके विकास पथ का समर्थन करने का प्रयास है। आर्थिक सोच-विचार से परे, चंडीगढ़ में सीबीएफसी कार्यालय की स्थापना का बड़ा सांस्कृतिक महत्व है। यह मुख्यधारा की बॉलीवुड फिल्मों में अक्सर पाए जाने वाले रूढ़िवादी चित्रणों का मुकाबला करते हुए पंजाबी संस्कृति और कहानी कहने की परंपराओं के प्रामाणिक प्रतिनिधित्व के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह कदम क्षेत्रीय फिल्म निर्माताओं को अपनी कहानियों को सूक्ष्मता और प्रामाणिकता के साथ बताने और विविध कथाओं के साथ सिनेमाई परिदृश्य को समृद्ध करने में सशक्त बनाता है। इसके अलावा, चंडीगढ़ में सीबीएफसी क्षेत्रीय कार्यालय की स्थापना न केवल फिल्म निर्माताओं के लिए बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक परिदृश्य के लिए भी एक वरदान है। कुल मिलाकर, चंडीगढ़ में सीबीएफसी क्षेत्रीय कार्यालय की स्थापना क्षेत्रीय सिनेमा, विशेष रूप से जीवंत पंजाबी फिल्म उद्योग के लिए सशक्तिकरण और मान्यता के एक नए युग की शुरुआत करती है।

– डॉ. सिम्मी प्रमुख, नृत्य विभाग, प्रदर्शन कला संकाय, पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला।

कपूरथला हैरिटेज फैस्टिवल सैनिक स्कूल में आज से शुरू

तीन दिवसीय विरासती मेले में प्रीत हरपाल, करामत फकीर कव्वाल, मनमोहन वारिस बनेंगे रंग, सांस्कृतिक, विरासती और लोक रंगों की झलक छोड़ेगा फैस्टिवल

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला

जिला प्रशासन द्वारा 1 से 3 मार्च तक आयोजित होने वाले कपूरथला हैरिटेज फैस्टिवल की तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए लोगों से विरासती मेले के विभिन्न रंगों का आनंद लेने की अपील की है। डिप्टी कमिश्नर अमित कुमार पांचाल ने बताया कि शुक्रवार सुबह 11 बजे शुरू होने वाले विरासती मेले की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि मेले के पहले दिन शाम को पंजाबी गायक प्रीत हरपाल, दूसरे दिन शाम-ए-कव्वाली में मालेरकोटला के मशहूर करामत फकीर कव्वाल अपना फन पेश करेंगे। 3 मार्च को सांस्कृतिक गीतों की शाम में प्रसिद्ध लोक गायक मनमोहन वारिस द्वारा पंजाबी विरासत से संबंधित गीतों की प्रस्तुति के साथ मेले का समापन होगा। लोगों को विरासती मेले में पूर्ण रूप से भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हुए डिप्टी कमिश्नर ने अमित कुमार पांचाल ने कहा कि भारी आमद को देखते हुए जिला प्रशासन ने हर तरह से पर्याप्त व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि मेले में खाने-पीने के स्टॉल, स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी, बच्चों के आकर्षण के लिए झूले, लोक नृत्य लुडी, गिद्दा और भांगड़ा का विशेष प्रदर्शन होगा। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात्रि 10 बजे तक विभिन्न रोचक प्रस्तुतियां होंगी। पंजाब सरकार के पर्यटन और सांस्कृतिक मामले विभाग, और जिला प्रशासन द्वारा आयोजित हैरिटेज फैस्टिवल 1 मार्च को सुबह 11 बजे एक स्वागत समारोह के साथ शुरू होगा, जिसके बाद सांस्कृतिक प्रदर्शन, गायक के रंग: अध्यापकों के संग लोक नृत्य (लुडी, गिद्दा, भांगड़ा) आदि पेशकारी के इलावा पंजाबी गायक अमृत मान द्वारा अपने फन का मुज़ाहिरा किया जायेगा। इसी प्रकार दूसरे दिन लोक गीत, लोक साज एवं नकल, विरासती क्विज, संगीत के रंग: बच्चों के संग, हंसी-मजाक और खेल आकर्षण का केंद्र रहेंगे। गायक मंजीत शायरा के प्रदर्शन के अलावा, इस के इलावा गायक मनजीत शायर द्वारा पेशकारी के इलावा मालेरकोटला के प्रसिद्ध सूफी और कव्वाल के फंनकार करामत फकीर कव्वाल द्वारा कव्वालियां प्रस्तुत की जाएंगी।

डिप्टी स्पीकर रौढ़ी ने माहिलपुर में पानी व सीवरेज के प्रोजैक्ट की करवाई शुरुआत

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

डिप्टी स्पीकर पंजाब विधान सभा जय कृष्ण सिंह रौढ़ी ने कहा कि विधान सभा गढ़शंकर की हर समस्या का समाधान किया जा रहा है और लोगों की हर मांग को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है। वे आज माहिलपुर में 11.79 करोड़ रुपए की लागत से पानी व सीवरेज डालने संबंधी कार्य की शुरुआत करने के दौरान इलाका निवासियों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उनके साथ अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर(सामान्य) राहुल चाबा, एस.डी.एम गढ़शंकर शिवराज सिंह बल, पंजाब गौ सेवा आयोग के सदस्य जसपाल चेची भी मौजूद थे।

डिप्टी स्पीकर ने बताया कि उक्त कार्य में 4.54 करोड़ रुपए की लागत से मेन सीवर व पंपिंग स्टेशन, 5.90 करोड़ रुपए की लागत से 3 एम.एल.डी का सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट व 1.39 करोड़ रुपए की लागत से पीने वाले पानी की पाइपें बिछाने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इलाके में पीने वाले पानी की समस्या का समाधान करने के लिए दो ट्यूबवेल लगाने का कार्य चल रहा है, जिसके चलने के बाद लोगों की पीने वाले पानी व सीवरेज की समस्या का समाधान हो जाएगा।

होशियारपुर को स्वच्छ व खूबसूरत शहरों में किया जाएगा शुमार : ब्रम शंकर जिंपा

नगर निगम हाउस की बैठक में शहर के विकास के लिए अलग-अलग प्रस्ताव किए गए पास, सभी वार्डों में अलग-अलग कार्यों के लिए हर पार्षद के लिए 15-15 लाख रुपए का खर्चा मंजूर

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

कैबिनेट मंत्री पंजाब ब्रम शंकर जिंपा ने कहा कि होशियारपुर शहर को खूबसूरत बनाने व इसकी नुहार बदलने में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि समूह पार्षदों व शहर वासियों के सहयोग से होशियारपुर को स्वच्छ व सुंदर शहरों की कतार में खड़ा किया जाएगा। वे नगर निगम होशियारपुर की हाउस की बैठक में शिरकत करने के बाद बातचीत कर रहे थे।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि नगर निगम होशियारपुर वासियों को 100 प्रतिशत बुनियादी सुविधाएं देने के लिए बेहतरीन कार्य कर रहा है। नगर निगम के मेयर सुरिंदर कुमार ने हाउस की बैठक संबंधी विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम हाउस की बैठक में शहर के अलग-अलग वार्डों में सड़कों के विकास के लिए 1 करोड़ 17 लाख रुपए के कार्य पास किए गए हैं। नगर निगम की ओर से पहलकदमी करते हुए अग्रिम तौर पर शहर के अंदर आते 12 नालों की सफाई के लिए 10.25 लाख रुपए का खर्चा मंजूर किया गया है। इसके अलावा सीवरेज चैंबर सीवर लाइन की रिपेयर करवाने के लिए 24.99 लाख रुपए का खर्चा मंजूर किया गया है। उन्होंने कहा कि शहर के अंदर जरुरत अनुसार पानी की पाइपें डालने व पुरानी जल सप्लाई पाइपों को पुख्त करने के लिए 11.25 लाख रुपए का प्रस्ताव पास किया गया है। उन्होंने बताया कि बैठक में बिना किसी भेदभाव के हर वार्ड में अलग-अलग तरह के कार्यों के लिए हर पार्षद के लिए 15-15 लाख रुपए का खर्चा मंजूर किया गया।

पंजाब सरकार पहले पड़ाव में 260 खेल नर्सरियां खोलेगी : मीत हेयर

खेल सुपरवाईजऱों और प्रशिक्षकों की भर्ती के लिए 10 मार्च तक आवेदन पत्र मांगे

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब सरकार द्वारा नई खेल नीति के अंतर्गत स्थापित की जाने वाली 1000 खेल नर्सरियों में से 260 नर्सरियाँ पहले पड़ाव में स्थापित की जा रही हैं, जिनकी स्थापना के लिए खेल सुपरवाईजऱों और प्रशिक्षकों की भर्ती के लिए 10 मार्च तक आवेदन पत्र माँगे गए हैं। खेल मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने कहा कि पंजाब में खेल सभ्याचार पैदा करने और गाँव स्तर पर खिलाडिय़ों के लिए बुनियादी ढांचा बनाने की कोशिशों के चलते मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों पर बनाई नई खेल नीति के अंतर्गत हर 4-5 किलोमीटर के दायरे में एक खेल नर्सरी बनाई जा रही है।

खेल मंत्री ने कहा कि पहले पड़ाव में 205 नर्सरियाँ खोलने का प्रस्ताव था, जिस सम्बन्धी बाकायदा भर्ती के लिए विज्ञापन भी दिया गया। इसके बाद कई खिलाडिय़ों और सम्बन्धित पक्षों द्वारा सम्पर्क करके और नर्सरियाँ खोलने की माँग की गई। इसके अलावा ऐसे खेलों को भी शामिल करने की पुरज़ोर माँग उठी जो पहले पड़ाव में शामिल नहीं थे। उन्होंने कहा कि लोगों की भावनाओं की कद्र करते हुए अब खेल विभाग पहले पड़ाव में 2024-25 सैशन में ही 260 खेल नर्सरियाँ खोलने जा रहा है, जिसके लिए संशोधित विज्ञापन जारी करके इस सम्बन्धी विवरण विभाग की वैबसाईट www.pbsports.punjab.gov.in पर डाल दिए गए हैं।

अतिरिक्त मुख्य चुनाव अधिकारी पंजाब ने लोक सभा चुनाव की तैयारियों का लिया जायजा

डीसी के साथ स्वीप के अंतगर्त करवाई जा रही गतिविधियों की समीक्षा भी की

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

अतिरिक्त मुख्य चुनाव अधिकारी पंजाब हरीश नैय्यर ने आज जिले में लोक सभा चुनाव 2024 की तैयारियों का जायजा लेने के लिए होशियारपुर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जिला प्रशासकीय कांप्लेक्स में डिप्टी कमिश्नर होशियारपुर कोमल मित्तल के साथ जिले में चल रही स्वीप गतिविधियों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आयोग की ओर से लोक सभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर पूरा जोर दिया जा रहा है, जिसके लिए 18 वर्ष से अधिक आयु के नौजवानों को वोटर पहचान पत्र बनाने के लिए प्रेरित करने की जरुरत है।

अतिरिक्त मुख्य चुनाव अधिकारी पंजाब ने कहा कि भारतीय निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार लोक सभा चुनाव- 2024 के मद्देनजर वोटरों में वोट डालने, ई.वी.एम व वी.वी. पैट संबंधी जागरुकता फैलाने के लिए भी विशेष प्रयास किया जा रहा है, जिसके अंतगर्त स्वीप वोटर जागरुकता वैनें भी सभी विधान सभा क्षेत्रों में भेजी जा रही है ताकि सभी वोटरों को वोट डालने के साथ-साथ ई.वी.एम व वी.वी.पैट संबंध में जागरुक किया जा सके। उन्होंने बताया कि यह जागरुकता वैने जिले में आरंभ स्वीप गतिविधियों का हिस्सा है जो कि सभी विधान सभा क्षेत्रों को कवर करेगी और वोटरों को वोटर हैल्प लाइन-1950 व ई.वी.एम व वी.वी.पैट की कार्यप्रणाली व इसके प्रयोग के बारे में विस्तार से जानकारी देगी। इस मौके पर उन्होंने वोटर शपथ बोर्ड पर हस्ताक्षर किए व स्वीप जागरुकता वैन को हरी झंडी दिखा कर रवाना भी किया।

धर्मशाला में 5वें टेस्ट के लिए भारतीय टीम का ऐलान

चोट के कारण केएल राहुल आखिरी टेस्ट से भी बाहर

बीसीसीआई. भारत और इंग्लैंड के बीच 5वें टेस्ट मैच के लिए बीसीसीआई ने टीम का ऐलान कर दिया है। इस टीम में केएल राहुल नहीं हैं जबकि जसप्रीत बुमराह की वापसी हुई है। दरअसल केएल राहुल चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी टेस्ट से भी बाहर हो गए हैं।

बीसीसीआई की मेडिकल टीम केएल राहुल पर कड़ी निगरानी रख रही है। साथ ही उनकी समस्या के आगे के प्रबंधन के लिए लंदन में विशेषज्ञों के साथ बातचीत भी कर रही है। वहीं बुमराह को रांची टेस्ट में आराम दिया गया था। जिसके बाद वो 7 मार्च को मैदान पर वापसी करेंगे।

इसके साथ ही स्पिन गेंदबाज वॉशिंगटन सुंदर को टीम से रिलीज कर दिया गया है। वह 2 मार्च 2024 से मुंबई के खिलाफ शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल मुकाबले के लिए अपनी रणजी ट्रॉफी टीम तमिलनाडु में शामिल होंगे। जरूरत पड़ने पर वह पांचवें टेस्ट के लिए घरेलू मैच पूरा होने के बाद भारतीय टीम में शामिल हो सकते हैं।

5वें टेस्ट के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुबमन गिल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, आकाश दीप।

फोटो-बीसीसीआई

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.